दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 03 जुलाई 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 276

महत्वपूर्ण एवं खास

अनंतनाग में आग लगने से 11 घर, सात दुकानें जलकर खाक

श्रीनगर (आरएनएस)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के मेहमान मोहल्ला में सोमवार रात को लगी भीषण आग में 11 घर और सात दुकानें जलकर खाक हो गई। अग्निशमन एवं आपातकालीन अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि सोमवार देर रात करीब 02:50 बजे मेहमान मोहल्ला के भीड़भाड़ वाले रिहायशी सह व्यावसायिक इलाके में एक घर में आग लग गई, जिसमें 11 रिहायशी घर सह गोदाम और सात दुकानें जलकर खाक हो गई। आग बुझाने के लिए अनंतनाग, मट्टन, बिजबेहरा, अचबल, सीर हमदान और शांगस इलाकों के अग्निशमन मुख्यालयों से करीब 12 दमकल गाडिय़ां मौके पर पहुंचीं। पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। वहीं अग्निशमन सेवा के मैकेनिकल ड्राइवर इम्तियाज अहमद को आग बुझाने के दौरान फिसलने से हाथ में चोट लग गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

अमरोहा में भारी बारिश से गिरा मकान, 8 साल के बच्चे की मौत

अमरोहा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में बारिश की वजह से कई लोगों के चेहरों पर मुस्कान है, तो कहीं-कहीं बारिश लोगों पर कहर बनकर टूटी है। अमरोहा जिले में बारिश की वजह से एक मकान भरभराकर गिर पड़ा, जिसमें एक बच्चे की मौत हो गई। मामला देहात थाना क्षेत्र के गांव सिरसा खुमार गांव का है। जिले में पिछले तीन दिनों से बारिश हो रही है। साथ ही तेज हवाओं ने भी लोगों की परेशानियों को बढ़ा दिया है। बारिश और तेज हवाओं के चलते एक मजदूर का मकान ढह गया, जिसमें घर में मौजूद परिवार के लोग मलबे में दब गए। आसपास के लोगों ने फौरन उन्हें मलबे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक 8 साल के बच्चे की मौत हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि मलबे में 12 लोग दबे थे, जिन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। ऐसा ही एक मामला शनिवार को अलीगढ़ के थाना क्षेत्र के गांव भिलावटी से सामने आया था, जहां बारिश के चलते एक मकान की छत भरभराकर गिर गई। इससे मकान के अंदर सो रहे परिवार के तीन सदस्य मलबे में दबकर घायल हो गए। आसपास के लोगों ने मलबा हटाकर लोगों को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

सूडान में अर्धसैनिक बलों के हमले में 9 बच्चों की मौत

खार्तूम। सूडान में अर्ध सैनिक बलों और सेना के बीच लड़ाई और तेज हो गई है। पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हवाई हमले में कम से कम नौ बच्चे मारे गए और 11 अन्य घायल हो गए। एल फशर में एक गैर-सरकारी समूह, प्रतिरोध समिति ने सोमवार को एक बयान में कहा, आरएसएफ के एक ड्रोन ने अल-फशर के अल-तिजानिया में अल-हिजरा मस्जिद पर प्रोजेक्टाइल से हमला किया, जिसमें नौ बच्चों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। सूडान ट्रिब्यून समाचार पोर्टल ने बताया कि जिस जगह को टारगेट किया गया था वो विस्थापितों को भोजन उपलब्ध कराने वाली एक रसोई थी।

गाजा में इजरायली हवाई हमले में पांच फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा। इजरायली सेना ने गाजा शहर में एक सभा पर हवाई हमले किए। इसमें पांच फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। इजरायली सेना ने गाजा पट्टी के दक्षिण में पूर्वी खान यूनिस के लोगों को तुरंत जगह खाली करने का आग्रह किया है। इजरायली विमानों ने गाजा शहर के अल-जला स्ट्रीट पर एकत्र हुए लोगों को निशाना बनाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर वायरल हुए वीडियो में हवाई हमले के बाद लोग जमीन पर लेटे हुए दिखाई दे रहे हैं। मेडिकल सूत्रों ने बताया कि हवाई हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। यह हमला तब हुआ जब इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने एक्स पर एक पोस्ट में खान यूनिस के पूर्व के इलाकों में रहने वाले निवासियों और विस्थापित लोगों से तुरंत मानवीय क्षेत्र में जाने का आग्रह किया। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक प्रेस बयान में कहा था कि इजरायली सेना ने पिछले 24 घंटों के दौरान 23 फिलिस्तीनियों को मार डाला। जबकि, 91 अन्य घायल हुए हैं। बीते साल अक्टूबर में फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद से गाजा पट्टी में मरने वालों की कुल संख्या 37 हजार 900 और घायलों की संख्या 87 हजार 60 हो गई है।

हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में मची भगदड़, 120 से अधिक लोगों की मौत, लाशों का लगा ढेर

हाथरस । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में हिस्सा लेने पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच भगदड़ मच गई, जिसमें 120 से अधिक लोगों की मौत का अनुमान जताया जा रहा है। सभी की डेड बॉडी को एटा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि सत्संग में भीषण गर्मी की वजह से भक्तों की स्थिति खराब हो गई। इस हादसे में कई लोग घायल हुए है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में हुए हादसे का संज्ञान लेते हुये मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

पुलिस सूत्रों के अनुसार तहसील में मुगलगढ़ी नेशनल हाइवे पर फुलरई गांव में आज मानव मंगल मिलन सदभावना समागम समिति नामक संस्था ने आज सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया था जिसमें बड़ी तादाद में श्रद्धालु एकत्र हुये थे। कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मचने से कई लोग हताहत हुये। उन्होने बताया कि मृतकों की संख्या 120 से ज्यादा होने की आशंका है। कई हताहतों को हाथरस के अलावा एटा और अलीगढ जिले में शिफ्ट किया गया है। मरने वालों में महिलाओं की संख्या सर्वाधिक है।

तीन किलोमीटर तक फैले थे वाहन- भीड़ का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वाहनों की संख्या तीन किलोमीटर तक फैली हुई थी। अलग से यहां पार्किंग भी बनाई गई थी, इसके बाद भी इतने वाहन थे कि हाईवे किनारे उन्हें खड़ा करना पड़ गया था।

मुआवजे का ऐलान- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाथरस में हुई दुर्घटना में प्रत्येक मृतक के परिजनों को PMNRF से 2 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है. वहीं हादसे में घायल हुए लोगों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हादसे को लेकर दुख जताया है. वह कल हाथरस के दौरे पर जा सकते हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में हुई दर्दनाक भगदड़ के बाद मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है. उन्होंने अधिकारियों को दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए एडीजी आगरा और कमिश्नर अलीगढ़ के नेतृत्व में एक टीम बनाने के निर्देश भी दिए. सीएम आदित्यनाथ खुद स्थिति पर नजर रख रहे हैं और उन्होंने दो मंत्रियों, मुख्य सचिव और डीजीपी को घटनास्थल पर भेजा है. कार्यक्रम आयोजकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी और प्रशासन इस त्रासदी के जवाब में बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है.

पुणे में जीका वायरस के 6 केस आए सामने, संक्रमितों में दो गर्भवती महिलाएं भी शामिल

पुणे । आरएनएस

महाराष्ट्र के पुणे जिले में जीका वायरस के केस मिलने से हडक़ंप मच गया है। पुणे में जीका वायरस संक्रमण के छह मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि जीका वायरस के इन 6 मरीजों में से दो गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। दरअसल, जीका वायरस संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। मच्छर की इसी प्रजाति को डेंगू और चिकनगुनिया जैसे संक्रमण फैलाने के लिए भी जिम्मेदार माना जाता है।

अधिकारियों ने कहा कि एरंडवाने इलाके की 28 वर्षीय गर्भवती महिला में जीका वायरस का संक्रमण पाया गया। शुक्रवार को उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। 12 सप्ताह की गर्भवती एक अन्य महिला में भी सोमवार को संक्रमण पाया गया। दोनों महिलाओं की हालत अभी ठीक है और उनमें कोई लक्षण नहीं है। बता दें कि गर्भवती महिलाओं में जीका वायरस के कारण भ्रूण में माइक्रोसेफेली हो सकता है। जीका वायरस संक्रमण का पहला मामला एरंडवाने में सामने आया, जहां 46 वर्षीय डॉक्टर की रिपोर्ट सकारात्मक आई थी। उसके बाद उनकी 15 वर्षीय बेटी भी इस संक्रमण से संक्रमित पाई गई थी।इसके बाद मुंधवा से दो मामले सामने आए थे, जिसमें 47 वर्षीय एक महिला और 22 वर्षीय एक पुरुष जीका वायरस संक्रमित था। जीका वायरस आमतौर पर मच्छर के काटने से ही होता है। जीका वायरस एडीज मच्छर में पाया जाता है। अगर कोई लक्षण दिखता है तो यह संक्रमण के 2-14 दिनों के बीच दिखता है। एक सप्ताह के अंदर कुछ लक्षण दिखने लगते है।आमतौर पर जीका वायरस का संक्रमण होने के बाद मरीज में हल्का बुखार, स्किन पर रैशेज, जोड़ों में दर्द, खासकर हाथ और पैर के ज्वांट में दर्द और आंखों में लालीपन आ जाता है।

महाराष्ट्र पासपोर्ट रैकेट मामले में सीबीआई ने की छापेमारी, 1.59 करोड़ रुपए जब्त

मुंबई । आरएनएस

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को एक पासपोर्ट एजेंट के घर और दफ्तर पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में टीम ने 1.59 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। सीबीआई ने यह छापेमारी पिछले हफ्ते पकड़े गए इस बड़े घोटाले की जांच के सिलसिले में की है। छापेमारी में पांच डायरियां और डिजिटल गैजेट भी बरामद हुए हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

सीबीआई ने पिछले वीकेंड महाराष्ट्र में 33 स्थानों पर छापेमारी की और रिश्वत के बदले संदिग्ध पासपोर्ट जारी करने के कथित रैकेट में 32 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया।

सीबीआई ने शिकायतों के बाद नासिक के अलावा मलाड और लोअर परेल स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके) के 14 पासपोर्ट विभाग अधिकारियों के खिलाफ मुंबई तथा नासिक में 12 केस दर्ज किए और मंगलवार को विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की।

जिन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है उनमें पासपोर्ट सेवा केंद्रों के 14 पासपोर्ट सहायक और वरिष्ठ पासपोर्ट सहायक शामिल हैं। इनके अलावा शेष 18 एजेंट/दलाल हैं। यह सभी भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त हैं।

आरोपी एक-दूसरे के साथ संपर्क में थे। उन्होंने उनके साथ मिलकर कथित रूप से अपर्याप्त/अधूरे दस्तावेजों के साथ संदिग्ध पासपोर्ट जारी करवाने या पासपोर्ट आवेदकों के व्यक्तिगत डिटेल में हेरफेर करने की साजिश रची थी।

सीबीआई टीम ने विदेश मंत्रालय के पासपोर्ट सेवा प्रोग्राम डिवीजन के विजिलेंस अधिकारियों और क्षेत्रीय पासपोर्ट दफ्तर (मुंबई) के अधिकारियों के साथ मिलकर छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान टीम ने संदिग्ध अधिकारियों के कार्यालय, डेस्क, मोबाइल और अन्य सामानों की जांच की, जिसमें आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ।

दस्तावेजों, सोशल मीडिया चैट और यूपीआई पहचान गतिविधियों के विश्लेषण से कुछ अधिकारियों की ओर से संदिग्ध लेनदेन सामने आए, जो अपर्याप्त, नकली या जाली दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट जारी करने के लिए एजेंटों/दलालों के जरिए रिश्वत की मांग और मंजूरी का संकेत देते हैं।

धर्मांतरण जारी रहा तो बहुसंख्यक आबादी हो जाएगी अल्पसंख्यक', इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की बड़ी टिप्पणी

प्रयागराज । आरएनएस

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि जिस प्रकार से अवैध धर्मांतरण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, अगर यह जारी रहा तो देश की बहुसंख्यक आबादी अल्पसंख्यक हो जायेगी। कोर्ट ने कहा देश के नागरिकों का धर्मांतरण कराने वाली सभाओं पर तत्काल रोक लगाई जाए। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 के तहत हमीरपुर के मौदहा निवासी आरोपी कैलाश की जमानत याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

कैलाश पर अवैध रूप से धर्म परिवर्तन कराने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। शिकायतकर्ता रामकली प्रजापति ने एफआईआर में कहा था कि उसके भाई रामफल को कैलाश घर से दिल्ली में एक सामाजिक समारोह में भाग लेने के लिए ले गया था। इस समारोह में गांव के कई और लोगों को भी ले जाया गया। बाद में, सभी को लालच देकर ईसाई धर्म में परिवर्तित कर दिया गया।

बकौल रामकली, उनका भाई मानसिक रूप से बीमार चल रहा था। इस मामले में गिरफ्तारी के बाद कैलाश के अधिवक्ता ने बताया कि आवेदक ने शिकायतकर्ता के भाई का धर्मांतरण नहीं किया था। पादरी सोनू ने कार्यक्रम का आयोजन किया था और उसी ने सभी का धर्म परिवर्तन कराया। उसे जमानत पर रिहा किया जा चुका है। राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि ऐसी सभाओं का आयोजन कर बड़े पैमाने पर लोगों को ईसाई बनाया जा रहा है। कैलाश गांव से लोगों को ले जाकर ईसाई धर्म में परिवर्तित कराने में शामिल रहा है। उसे इसके बदले बहुत पैसा दिया गया था।

कोर्ट ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 25 किसी को भी स्वेच्छा से धर्म चुनने की आजादी देता है, लेकिन लालच देकर किसी का धर्म परिवर्तन करने की इजाजत नहीं देता। अपने धर्म का प्रचार करने का अर्थ किसी दूसरे धर्म के व्यक्ति को अपने धर्म में परिवर्तित कराना नहीं है। कोर्ट ने कहा, देश के नागरिकों का धर्मांतरण कराने वाली सभाओं पर तत्काल रोक लगाई जाए। अनुच्छेद 25 में धर्मांतरण का प्रावधान नहीं है। जस्टिस रोहित रंजन ने धर्मांतरण के मामले में आरोपी कैलाश की जमानत याचिका को खारिज करते हुए ये टिप्पणी की।

हमीरपुर की रामकली प्रजापति ने एफआईआर दर्ज कराई थी। उसने कहा था कि उसका भाई मानसिक रूप से बीमार था, कैलाश उसको एक हफ्ते के लिए दिल्ली ले गया। इलाज कराकर गांव लाएंगे। लेकिन, वह एक हफ्ते में नहीं लौटा। काफी दिनों बाद भाई को लेकर वापस आया। फिर भाई के साथ गांव के कई लोगों को दिल्ली ले गया। वहां एक कार्यक्रम में सभी को ईसाई धर्म में परिवर्तित करा दिया। इसके बदले पैसे दिए।

एसटीएफ की बड़ी कार्यवाई: एक लाख का इनामी कुख्यात अपराधी मुठभेड़ में ढेर- एके-47 और पिस्टल बरामद

जौनपुर । आरएनएस

उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के बदलापुर क्षेत्र में मंगलवार भोर पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के साथ सशस्त्र मुठभेड़ में एक लाख रुपए का अंतरप्रांतीय इनामी बदमाश मोनू चवन्नी मारा गया जबकि उसके दो साथी भागने में सफल हो गए।

मृतक बदमाश के पास से एके 47, 9 एमएम पिस्टल और एक बोलेरो गाड़ी बरामद हुई है। पुलिस अधीक्षक डॉ अजयपाल शर्मा ने बताया कि जिले में सिंगरामऊ थाना क्षेत्र में पिछली पांच मार्च को आतंक का पर्याय सुमित कुमार उर्फ मोनू चवन्नी ने अपने साथी के साथ गोलीबारी कर रंगदारी मांगने की घटना को अंजाम दिया था। इसके बाद पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिये दबिश दे रही थी।

उन्होंने कहा कि सुमित कुमार के ऊपर एक लाख का इनाम घोषित था और इसके ऊपर लगभग 24 मुकदमे दर्ज हैं, जिसमें कई मुकदमे हत्याओं के हैं जो गाजीपुर, बलिया, जौनपुर व बिहार राज्य में पंजीकृत है। मोनू चवन्नी की तलाश हेतु एसटीएफ व जौनपुर पुलिस की संयुक्त टीम लगी हुई थी। आज प्रात: उसे पीली नदी के समीप बदलापुर के शाहपुर गांव के पास पुलिस टीम द्वारा को रोकने का प्रयास किया गया उसके द्वारा पुलिस पार्टी पर फायर किया गया, आत्मरक्षार्थ पुलिस द्वारा किए गए फायर में मोनू चवन्नी को गोली लगी। घायल बदमाश को इलाज के लिये जिला अस्पताल लाया गया, जहां थोड़ी देर बाद उसकी मृत्यु हो गयी।

खतरे के निशान से ऊपर बह रही अलकनंदा नदी, तप्तकुंड को भी कराया गया खाली

बदरीनाथ । आरएनएस

उत्तराखंड के बदरीनाथ धाम में अलकनंदा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। यात्रियों व स्थानीय लोगों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वो नदी किनारे न जाएं। साथ ही तप्तकुंड को भी खाली करा दिया गया है। नदी का जलस्तर बढऩे से बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के कार्यों के लिए बनाया गया वैकल्पिक मार्ग बह गया है। इससे इस क्षेत्र में रिवर फ्रंट का काम बंद हो गया है। यहां पर कंपनी की कुछ मशीनें भी फंसी होने की भी खबर हैं। डंपर, जेसीबी मशीन और मजदूरों को कार्यस्थल तक पहुंचाने के लिए यह मार्ग बनाया गया था। ऐसे में दूसरी जगह से वैकल्पिक मार्ग तैयार करने की कोशिश की जा रही है, जिससे रिवर फ्रंट का काम फिर से शुरू किया जा सके। उत्तराखंड में मानसूनी बारिश जारी है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के कई जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। देहरादून, पौड़ी, पिथौरागढ़, नैनीताल और बागेश्वर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ऑरेंज अलर्ट को देखते हुए कई क्षेत्रों में सभी निजी और सरकारी स्कूलों की छुट्टी के आदेश दिए गए हैं।

तीन दिनों में 51,000 श्रद्धालुओं ने किए बाबा अमरनाथ के दर्शन

जम्मू । आरएनएस

29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के बाद से अब तक 51,000 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। मंगलवार को 6,537 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था दो सुरक्षा काफिले के साथ कश्मीर के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि 6,537 तीर्थयात्री जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुए।

अधिकारियों ने बताया, इनमें से 2106 श्रद्धालु 105 वाहनों के सुरक्षा काफिले के साथ सुबह 3.05 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए, जबकि 4,431 तीर्थयात्री 156 वाहनों में सवार होकर सुबह 3.50 बजे नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुए।

मौसम विभाग ने दोनों यात्रा मार्गों पर आमतौर पर बादल छाए रहने और सुबह के समय हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पडऩे का अनुमान जताया है।

यात्री या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग या 14 किलोमीटर वाले छोटे बालटाल मार्ग से यात्रा करते हैं।

पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग से जाने वाले 'दर्शन' करने के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं।

इस वर्ष की यात्रा के दौरान 7,000 से अधिक 'सेवादार' (स्वयंसेवक) यात्रियों की सेवा कर रहे हैं।

यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने 3 जुलाई से अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है।